Today's Poem – 18.06.2014

बाप भगवान है

हमारा बागवान है

जो अच्छी खुशबू देने वाले हैं फूल

उनको नहीं करनी कोई भी भूल

जिनकी दृष्टि वृत्ति अच्छी होती

बाप की नज़र उन पर पड़ती

अपने पंख आज़ाद करने की मेहनत करनी

काँटों को फूल बनाने की सेवा करनी

अपनी चाल-चलन का पोतामेल रख खामियां निकालनी

यही है राजा बनने की निशानी

कमज़ोर संकल्पों की जाल को समाप्त करो

माया को हराकर विजय प्राप्त करो

मैं निश्चयबुद्धि विजयी हूँ

सफ़लता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!